रहस्य संदेश

RNI.NO.UPHIN2007/2

361 एटा से प्रकाशित सोमवार 26 दिसंबर 2022 पृष्ठ : 8 मूल्य : 50 पैसा मात्र

सर्दी ऋतु में पाले से फसलों की सुरक्षा हेतु एडवाइजरी

(अनवर अशरफ)

कानपुर (रहस्य संदेश)चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर, चना, सरसों,तोरिया,बागवानी फसलें, गेहूं,जौं आदि फसलों को बचाएं। डॉ खान ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1ब गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है। और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है।इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें साथ ही खेतों में उत्तर पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियाँ लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जब पाला पड़ने की संभावना हो तो खेत में हल्की सिंचाई कर दें। जिससे कि मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है व पाले से फसल की सुरक्षा होती है।

सर्दी ऋतु में पाले से फसलों की सुरक्षा हेतु एडवाइजरी

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर, चना, सरसों,तोरिया,बागवानी फसलें, गेहूं,जौं आदि फसलों को बचाएं। डॉ खान ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1 प्रतिशत गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है। और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है। इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें साथ ही खेतों में उत्तर पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियाँ लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जब पाला पड़ने की संभावना हो तो खेत में हल्की सिंचाई कर दें। जिससे कि मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है व पाले से फसल की सुरक्षा होती है।

गंधक पाला से होने वाली फसल को नुकसान से बचाता

सर्दी ऋतु में पाले से फसलों की सुरक्षा हेतु एडवाइजरी

डीटीएनएन

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीपनगर के मृदा वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी करते हुए बताया। कि जब सर्दी चरम पर होती है। उस वक्त किसानों को अपनी फसलों की बचाने की चिंता होती है। उन्होंने कहा कड़क सर्दी के कारण फसलों पर पाला पड़ने की आशंका बढ़ जाती है। जिसमें रबी की फसलों को काफी नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि किसान अपनी आलू और अरहर, चना, सरसों,तोरिया,बागवानी फसलें, गेहूं,जौं आदि फसलों को बचाएं। डॉ खान ने बताया कि जब वायुमंडल का तापमान 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला पड़ता है। इससे फसलों को बचाने के लिए 0.1त्न गंधक का छिड़काव करें जिससे खेत का तापमान बढ़ जाता है। और पाले से होने वाले नुकसान से फसल को बचाया जा सकता है।इसके अतिरिक्त नर्सरी को पुआल से ढक कर रखें साथ ही खेतों में उत्तर पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियाँ लगाकर शीत लहर की वायु को रोका जा सके। उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि जब पाला पड़ने की संभावना हो तो खेत में हल्की सिंचाई कर दें। जिससे कि मिट्टी का तापमान बढ़ जाता है व पाले से फसल की सुरक्षा होती है।

राष्ट्रीय
सहारा
कानपुर • सोमवार • 26 दिसम्बर • 2022

ने से फसलों के बचाव को
में करें गंधक का छिड़काव

पुर (एसएनबी)। सीएसए के संचालित कृषि विज्ञान केन्द्र के मृदा क डॉ.खलील खान ने ठंड में पाले से ों के वचाव के लिए किसानों को खेतों क का छिड़काव करने की सलाह दी ससे खेत का तापमान वढ़ जाता है और से होने वाले नुकसान से फसलों को जा सकता है। इसके अतिरिक्त नर्सरी आल से ढककर रखने व साथ ही खेतों र पश्चिम दिशा में वायु रोधक टट्टियां र शीत लहर की वायु को रोके जाने त उन्होंने कही है।

ॉ.खान ने कहा कि कड़क सर्दी के में फसलों पर पाला पड़ने की आशंका ाती है। इससे रवी की फसलों को नुकसान पहुंचता है। उन्होंने कहा कि न आलू, अरहर, चना, सरसों, तोरिया, नी फसलें, गेहूं, जौं आदि फसलों को । उनके मुताविक जव वायुमंडल का न 4 डिग्री सेल्सियस से कम तथा 0 सेल्सियस तक पहुंच जाता है तो पाला है। इससे फसलों को वचाने के लिए प्रतिशत गंधक का छिड़काव करना । उन्होंने किसानों को सलाह दी है कि ाला पड़ने की संभावना हो तो खेत में सिंचाई जरूर करें।